Le vaccinazioni nell'infanzia

बचपन में दी जाने वाली दवाईयां

क्यों, कब और कैसे दी जाए, माता -पिता के लिए जानकारी

SERVIZIO SANITARIO REGIONALE
EMILIA-ROMAGNA

RegioneEmilia-Romagna

बचपन में दी जाने वाली दवाईयां

क्यों, कब और कैसे दी जाए, माता -पिता के लिए जानकारी

Presentazione (परिचय)

बचपन में दी जाने वाली दवाईयां की साधारण जानकारी (क्यों, इनके लाभ और अतिरिक्त जानकारी)के बाद हर एक को कैलेंडर के मुताबिक एक विशेष कार्ड पर लामबंद किया जाएगा, जो सभी बच्चों के लिए जरूरी है। **(polio, diptheria, tetanus, hepatitis B, pertussis , haemophilus, german measles, parotitis, measles)** और वह कुछ विशेष प्रतिसथितयों में पाए बच्चों के लिए है जिन्हें बिमारियां (बुखार अथ्वा रोहिणी रोग आदि)जलदी ग्रिफत में ले सकती हैं।

यह सभी दवाईयां मुफत हैं।

जैसे कि **scientific card** में बताया गया है रोहिणी रोग **(varicella)** की दवाई हमारे क्षेत्र में सिहतमंद बच्चों को सलाही नही गई है। इन दवाईयों से अथ्वा उनसे संबंधित होने वाले बुरे प्रभाव के अवसर बहुत कम है जिसका दावा देश अथ्वा विदेश की **scientific** तफतीश करती हैं और क्षेत्र अथ्वा राष्ट्र की तफतीश के अनुसार भी इनके मंद प्रभाव नहीं पाए गए हैं जिनका वियोरा **Ministero della Salute(**सिहत मंत्री **)** को भेजा जाता है।

इसके इलावा छूत से होने वाली बिमारीयों की जानकारी का उलेख **National** अथ्वा **International scientific** प्रस्ताव पर निलंबित है अथ्वा महांमारियों के आंकडों का ज्ञान सिहतमंत्री **Ministero della Salute** अथ्वा **Emilia Romagna** मंत्रालय से लिया जा सकता है। इन दवाईयों की जानकारी अभी क्षेत्र की संस्था **Servizio Sanitario Regionale** के द्वारा प्रयोग में लाई गई दवाईयों तक सीमत है।

इन दवाईयां संबंधी शंका अथ्वा अतिरिक्त जानकारी के लिए माता पिता बच्चों को डाक्टर अथ्वा **Azienda USL** के दवाई ग्रहण विभाग में संर्पक कर सकते हैं।

इसके इलावा अधिक जानकारी के लिए मुफत सेवा अधीन **Numero verde 800033033** पर **Servizio Sanitario Regionale** क्षेत्र **Emilia Romagna** को कारोबारी दिनों में **8:30** से **17:30** और शनिवार को **8:30** से **13:30** के अंत्राल में संम्पर्क कर सकते हैं।

बच्पन में दी जाने वाली
Le vaccinazioni dell'infanzia

I vantaggi (*इनके लाभ* **)**

इन दवाईयों ने संसार में होने वाली भियंकर बिमारीयां जैसे चेचक, पोलियो, टैटनस, धनुर्वत रोग और डिपथीरिया की रोकथाम अथ्वा खातमें के लिए योग्यदान दिया है। इनका ग्रहण प्राणी को विषाणुयों से बचने के लिये उसकी अंदरूनी शक्ति को विश्वस्त करने के लिये करवाया जाता है ता जो प्राणी इनकी गिफ्त में आए तो अपना बचाव करने की सर्मथा कायम कर सकें।

आम तौर पर यह दवाईयां अनुकूल होती हैं और हानी नहीं पहुंचाती। बिबारचारक तथ्य जैसे वेहोशी अथ्वा नसों में समस्या आदि हो सकते हैं, परन्तु बिमारी से होने वाली समस्या से इनकी प्रतिकिया बहुत कम है।

इन दवाईयों के लाभ इनकी हानियों से बहुत ज्यादा हैं यह दवाईयां सिर्फ कुछ लोगों को नहीं बलकि सामुहिक समाज का वचाव करती हैं। बहुगिणती में बच्चों को दी गई दवाई से हानिकारक विषाणुयों को कम अथ्वा बिमारियों का सम्पूर्ण खातमा किया जा सकता है। इस प्रकार यह दवाईयां उन बच्चों को भी बचाती हैं जिन्हें किसी और बिमारी की वजह से दवाई ग्रहण नहीं करवाई जा सकती ।

Informazioni per scegliere consapevolmente (*निर्णय के लिए जानकारी* **)**

हमारे क्षेत्र में हर एक दवा विभाग में आपको **specialized staff** *मिलेंगे जो आपको इस विश्य पर जानकारी देंगे। मुडली दवाईयां ग्रहण करवाने की सूरत का अध्यन करेंगे। माता पिता से उनके बच्चों को मुडली दवाईयां ग्रहण करवाने की राए लेंगे और बच्चों को दवाई ग्रहण करवाने पश्चात उनकी उनकी सेहत का परीक्षण करेंगे। माता पिता* **schede di vaccinazione (***दवाई ग्रहण कार्ड* **)** *वाला कार्ड भी इस्तेमाल में ला सकते हैं और आपको सारा ज्ञान दिया जाएगा कि दवाई ग्रहण के बाद उसके प्रभाव से आए छोटे मोटे उपद्रवों से कैसे निपटा जाए (जैसे बुखार ,टीके वाले स्थान पर सूजन आदि)*

इन दवाईयों की प्रतीकिया के बहुत कम आसार हैं। एक डाकटर की सालाह से इस बात को विश्वस्त बनाया जा सकता है कि कुछ बाधायों अथ्वा विशेश हालातों में इनका ग्रहण न हो। इन समस्यायों को यह दवाइयों के ग्रहण के पश्चात होने वाली प्रतिक्रियों से नहीं जोडा जा सकता।

La vaccinazione consiste generalmente in una o più iniezioni . Non è necessario tenere i bambini a digiuno.

(*सधारण तौर पर यह दवाई एक या इससे ज्यादा बार दी जाती है। इसके लिए बच्चों को सुबह से भूखे पेट रखने की आवश्यक्ता नहीं है।***)**

दवाई ग्रहण के बाद बच्चों और माता पिता को **30** *मिन्ट तक* **waiting room** *में ठहरने को आवगत किया जाएगा क्योंकि इन दवाईयों के प्रतिकम के वहुत जल्दी से होने के कम अवसर होते हैं। हमारे क्षेत्र के सभी दवाई विभाग केंद्र किसी भी एमरजैंसी की हालत के लिए तैयार है।*

Se qualcosa non va(*अगर कुछ विपत्ती हो तो* **)**

इन दवाईयों के ग्रहण के पश्चात इनके बुरे प्रभाव के वहुत कम अवसर तो हैं परन्तु नामुनकिन नहीं है। अगर आपका बच्चा दवाई ग्रहण के पश्चात ठीक महसूस नहीं करता है तो आपको इसके डाकटर से संर्पक करने की सालाह दी जाती है। परन्तु दवाई ग्रहण के पश्चात अगर कोई लाईलाज रोग हो जाए तो इसके लिए सरकार फंड प्रधान करती है।
इसके लिए आप **Azienda Usl** *में दवाई विभाग* **(medicina legale)** *कार्यप्रणाली से संपर्क कर सकते हैं।*

पोलियो
Poliomielite

La malattia (रोग)

पोलियो एक छूत की बिमारी है जो तीन प्रकार के विषाणुयो से प्राणी में प्रवेश कर सकती है और साधारण तौर पर भोजनप्रणाली से। यह बहुत ही भयानक बिमारी है जो भयंकर रूप में हो तो अपाहिज अथ्वा एक से ज्यादा अंगों को नकारा भी कर सकती है और कुछ मौको में मौत भी हो सकती है। पोलियो के प्रकोप उपरांत इसके उपचार के लिए कोई दवा नहीं है। इसका एकमात्र उपचार बचाव ही है।

म्लमूत्र की विवस्था में सुधार ने बहुत सारी छूत की बिमारियों पर काबू पाया है जिसमें पोलियो भी शामिल है परन्तु केवल मुडली दवाईयों से ही बच्चों का इनसे बचाव मुंकिन है और इस तरह इन महांमारियों का खातमा भी किया जा सकता है।

ईटली में पिछले दस साल में वहुत दफा पोलियो की महांमारी का प्रकोप पाया गया जिसने हजारों लोगों को अपाहिज किया। इसलिए **1966** से यह दवा आवश्यक लागू की गई ।

इसका अंश सारथिक हुआ और **1982** तक सिर्फ दो बच्चे पोलियो पीडित पाए गए जिनहें दवाई ग्रहण नहीं करवाई गई थी।

परन्तु संसार के कुछ भागों में पोलियो अभी मौजूद है **(**जयादातर अफरीका और भारत में **)** और आज एक स्थान से दूसरे स्थान पर लोगों की शीर्ध यात्रा से सभी बच्चों को पोलियो की दवाई जरूरी हो गई है तभी जो ईटली में इस **virus** के प्रवेश को रोका जा सके।

Il vaccino(दवाई)

पोलियो के लिए दो तरह की दवाईयां हैं**,** दोनें ही इसके लिए लाभदायक हैं **;** एक **Salk** नामक है और दूसरी **Sabin** .

2002 से इटली में पोलियो की दवाई के टीके की सहायता से चार दफा दिया जाता है जिनमें पोलियो के **virus** खतम किये गए हैं। **Sabin** दवाई का प्रयोग अब नहीं किया जाता जिसमें विषाणु जीवत जमा होते हैं। इससे वचाव विस्वसत है सभी दवाई ग्रहण कर चुके प्राणी बहुत साल तक सुरक्षित है।

Gli effetti collaterali (*इससे होने वाली प्रतिक्रियाएं*)

Salk *दवाई बहुत जयादा सुरक्षित है। बहुत बच्चों को इसका दुशप्रभाव नहीं होता। बहुत कम प्रतिक्रियों में दर्द टीके वाले स्थान पर सूजन अथ्वा हलका बुखार या सिरदर्द हो सकते हैं।*

Salk *दवाई से* **paralysis** *का खतरा हमेशा के लिए खतम हो जाता है जो बहुत कम अवसर में* **Sabin** *दवा* (*भूतकाल में उपयोग की गई*)*के ग्रहण पशचात हो सकता था।*

ठसमें मौजूद तथ्यों से **allergy** *के लक्षण भी बहुत मध्यम हैं जैसे और मुडली दवाईयों में।*

डिपथीरिया और टैटनस

Difterite e tetano

Le malattie (रोग)

डिपथीरिया एक बहुत भयानक छूत की बिमारी है जो ज्यादातर कौछाणुयों (**Corynebacterium diphtheriae**), से वायु में प्रवेश करता है। इससे एक ठोस पदार्थ बनता है जो बहुत सारे अंगों में बुरा असर छोडता है। (दिल अथ्वा नाडियों के मदय); इससे जो पदार्थ नाक, गले तथा सांसनाली में उत्पन होता है वो सांस लेने में रुकावट डालता है। अगर इलाज किया भी हो तब भी यह रोग लगभग **10** में से 1 के लिए जानलेवा हो सकता है। ईटली में **1900**, के शुरुवात में **20-30.000** ऑकडे डिपथीरिया के थे जिनमें **1.500** की मौत पाई जाती रही। इस दवाई के प्रयोग के बाद ईटली में डिपथीरिया का लगभग खातमा हो चुका है, आखरी केस **1991**में नवजन्मी, बच्ची को दवाई गहर्ण ना करने की सूरत में था । कुछ समय पहले, पूरवीर्य यरुप (**Easter Europe**) में आरथिक सथिती की वजय से दवाईयो में की गई कमी से वर्ष (**1996** से **1998** तक) महामारी फैली, जो अनेक लोगों की मौत का कारण बनी। साल **90**के इर्द - गिर्द **3** केस डिपथीरिया पाये गए यह सभी दवा मुक्त थे**,** इनमें कोई भी हमारे क्षेत्र का नही था। फिनलेंड में एक बच्चे को दवाई गहर्ण ना कर पाने की सूरत में **2001** में हुई मौत इस बात की पुष्टी करती है कि **microbo** अभी भी यरुप में मौजुद हैं ।

टेटनस एक बहुत ही भयानक रोग है जो **(Clostridium tetani) microbe** से होता है, यह घाव के जरिए शरीर में प्रवेश करता है। विशेष रुप में अगर घाव मिटटी तथा धूल से गंदा हो तो यह एक बहुत सख्त पदार्थ गठित करता है (**tossina tetanica**)**,** यह पदार्थ मासपेशियों में बहुत जोर से दर्द करता है और लगभग **6** में से एक की मौत हो जाती है। टेटनस का इलाज लम्बें समय तक हस्पताल में चलता है।

1968 से ईटली में टैटनस की दवाई का ग्रहण आवश्यक है। इसी कारण आज टैटनस केवल जवानों अथ्वा बजुर्ग को होती है। हर साल ईटली में लगभग सौ लोग टैटनस से प्रभावित होते हैं, जिनमें बहुगिणती में **65**वर्ष से उपर औरतें दवा ना ग्रहण अथ्वा अधूरे परिकर्म की सूरत में होती है। हमारे क्षेत्र में हर वर्ष **10-15** केस टैटनस के होते हैं।

Il vaccino (*दवाई* **)**

डिपथीरिया और टैटनस की दवाई

डिपथीरिया अथवा टैटनस के **toxin** *से बनती है। जिनहें सवरूप दिया जाता है कि यह हनिकारक ना रहे परन्तु जो शरीर को इन रोगों के खिलाफ लडने के लिए विश्वस्त करें। दोनों दवाईयां टीके की सहायता से दी जाती हैं और ज्यादातर एक साथ में।*

इन दवाईयों का असर बहुत ज्यादा है, लगभग 90% *दवाई ग्रहित प्राणी डिपधीरिया के खिलाफ और* 100% *टैटनस के खिलाफ बचाव में विश्वस्त हैं। इन दवाईयों के ग्रहण के लिए एक से ज्यादा दफा निमंत्रण दिया जाता है, पहली दवाई* 5 – 6 *वर्ष की आयु में और अगला परिकर्म हर दस साल बाद।*

Gli effetti collaterali (*इनसे संबंधित प्रतिकियाएँ*)

यह दवाई अनुकूल होती है और लगभग मंद प्रभाव (reaction) *नहीं डालती। टीके वाले स्थान पर* 48 *धंटों के अंतराल में सूजन, लालगी अथवा दर्द हो सकतें हैं। बहुत कम अवसर में बुखार अथवा सिरदर्द भी हो सकते हैं। जवानों में वहुत कम अवसर में कुछ नशे की अवस्था अथवा लडखडाहट हो सकती है। इस दवाई से ऐलर्जी होने के अवस्र वहुत कम हैं जैसे कि और मुडली दवाईयों से।*

(जिगर की सूजन)(काला पीलिया)

Epatite B

La malattia (रोग)

Hepatitis B एक छूत की बिमारी है जो जिगर पर मंद प्रभाव डालता है और यह **Hepatitis B** रोगाणुयो से होता है। ज्यादातर अवसर में यह कोई समस्या नहीं देता क्योंकि प्राणी का शरीर उससे लडने की क्षमता रखता है।

कुछ हालातों में अगर रोग असल रूप में हो तो कुश तथ्य जैसे थकावट, जोडों में दर्द, मचली, उलटी, बुखार, चमडी और आंखों में पीलापन हो सकते हैं। यह तथ्य सभी में एक से नहीं होते और खासकर बच्चों में।

इस रोग का आग्रह भी हमेशा एक रूप में नहीं होता। ज्यादातर रोगी **(85%-90%)** इससे इलाज उपरंत रोगमुक्त हो जाते हैं।

कुछ हालातों में विशेष तौर पर वालगों में यह रोग मौत तक पहुंचा सकता है और अतिरिक्त हालातों में यह रोग जिगर की सूजन अथ्वा इसमें कैंसर का कारण हो सकता है।

Hepatitis B का **virus** इस रोग से पीडित लोगों के खून से और शारीरिक संबंधों से भी प्राणी में प्रवेश कर सकता है। पीडित व्यक्तियों के साथ रहने वाले प्राणी अथ्वा **chronic** रोगियों के सेवा अधीन कर्मचारी उसकी ग्रिफत में आने के खतरे में रहते हैं। लम्बे समय से पीडित औरतों से जनमें नवशिशुयों में इस रोग के प्रवेश होने के बहुत अवस्र हैं अगर इनहें जलदी से जलदी दवाई ग्रहण ना करवाई जाए।

रक्त प्रवेश के कार्य अब बहुत सुरक्षित हैं और इससे रोग के प्रवेश का कोई खतरा नहीं रहता। छोटे शिशुयों अथ्वा किशोरावस्था इस दवाई का ग्रहण **1991** में लाया गया और इससे **Hepatitis B** के रोगों में **15** से **24** साल की आयु के लोगों में महतवपूर्ण कमी आई, जिनहें यह रोग ज्यादा मात्रा में होता है। इस आयु के इर्द गिर्द इससे पीडित क्षेत्र में **Emilia-Romagna** के लोगों में पाई गई संख्या **1992** में **102** से **2001** में **11** तक रह गई।

Il vaccino (*दवाई*)

अभी प्रयोग में **Hepatitis B** *के लिए उपचार में लाई गई दवाई में एक हिस्से के कौषाणु मौजूद हैं। यह वहुत विश्वस्त है,खासकर बच्चों के लिए जिसके ग्रहण उपरान्त लगभग सभी* **98%***बच्चे सुरक्षित संभव हो सकते है।*

इसका ग्रहण टीके की सहायता से करवाया जाता है और इसके अतिरिक्त दवाइयों के मिश्रण में भी दिया जा सकता है।

1991 *से इस दवाई को पहले महीनों में नवजन्में शिशुयों के लिए ईटली में आवश्यक बना दिया गया है। इन सभी व्यक्तियों जो इस बिमारी की पकड के खतरे की सूरत में पाए जाएं यह दवाई मुफत दी जाती है। लम्बी बिमारीयों से पीडित औरतों के बच्चों को यह दवाई की पहली खुराक जन्म के दिन ही दी जाती है।*

Gli effetti collaterali (*प्रतिक्रियाएं*)

यह दवा काफी अनुकूल है। टीके वाले स्थान पर दर्द, लालगी अथ्वा सूजन हो सकते हैं। कुछ सीमित अवसर में हलका बुखार, सिरदर्द, चक्कर,मासपेशियों अथ्वा जोडों का दर्द आदि कुछ समय के लिए हो सकते हैं। और भी कुछ कम हालातों में किशोर अथ्वा वालग प्राणियों में धवराहट अथ्वा लडखडाहट हो सकती हैं। जैसे कि वाकी सभी दवाईयों समान **allergy** *की संवभावनाएं काफी कम हैं।*

La malattia (रोग)

यह एक छूत का रोग है जो **Bordetella pertussis** *नामक रोगाणुयों से होता है जो वायु में से प्राणी में प्रवेश करते हैं और हर* **3-4** *साल बाद महांमारी फैलाते हैं।*

इसकी दवाई के ग्रहण उपरांत ईटली में इसके रोगियों गिणती में काफी कमी पाई गई है। हमारे क्षेत्र में लगभग इसके रोगियों की **1987** *में* **5000** *की गिणती से* **1998** *तक* **700** *तक रह गई है।*

काली खांसी की बिमारी कुछ सपताह तक रहती है। शुरूयात में इसके लक्षण शीकें, नाक में खुजली, हलका बुखार अथ्वा वलगम के साथ खांसी और कुछ दफा खांसी के साथ उलटी आदि होते हैं। यह परिक्रम लगभग **4** *सपताह तक चलता है और इसके बाद और इसके बाद लगातार जोर से चल रही खांसी कमजोर अथ्वा कम होने लगती है।*

सामान्य अवस्था में काली खांसी बिना कोई हानि दिए ठीक हो जाता है परन्तु कुछ समस्याएं जैसे गले की नाली अथ्वा फेफडों में सूजन, मरोड और मस्तिक को हानि आदि हो सकती है।

यह रोग खासकर प्रष्ठ वर्ष की आयु में खतरनाक है, जिससे सांस लेने में तकलीफ हो सकती है जिसके कारणवश अस्पताल में जाना आवश्यक हो सकता है। इस आयु में कुछ दिमागी समस्याएं भी हो सकती हैं जो उर्मभर के लिए लाईलाज हैं और कुछ गंभीर हालातों में शिशु की मौत भी हो सकती है।

हर हालातों में काली खांसी नवजात शिशुयों के लिए खतरनाक है।

वालगों में इसका असर कमजोर रूप में परन्तु लम्बे समय तक होता है। इस प्रकार के यह ना मालुम होने वाले कमजोर रोग बच्चों को अपनी ग्रिफत में जल्दी ले लेते हैं।

Il vaccino(दवाई)

कुछ वर्षों से प्रयोग हितु दवाई में केवल एक हिस्से के जिवाणु जमा हैं इसलिए इसकी प्रतिक्रिया के वहुत कम अवसर हैं। यह दवाई टीके की सहायता से और दवाईयों के मिन्रण के साथ दी जाती है।

पहले महीनों में नवजनमे शिशु की सुरक्षा के लिए दो माह के जीवनकाल तक इस दवा का ग्रहण अति आवश्यक है क्योंकि इस काल में यह रोग वहुत खतरनाक है। जन्नी से मिली सुरक्षा इस रोग से बचने के लिए काफी नहीं है। लगभग **85%** *दवाग्रहित शिशु इस रोग से सुरक्षित पाए गए हैं। इसकी एक साल में दी जाने वाली तीन खुराकों के बाद लगभग पांच वर्ष के जीवनकाल तक सुरक्षा संभव है।*

नवजन्में शिशु जिन्हें अभी तक यह दवा ना दी गई हो तो जरूरी हो जाता है कि बडे भाई व बहन दवाई ग्रहित हो और खासकर जब यह पाठशाला जा रहे हों।

Gli effetti collaterali (*प्रतिक्रियाएं*)

24/48 *घंटे के अंतराल में टीके वले स्थान पर दर्द लालगी अथ्वा सूजन आदि हो सकते हैं। यह प्रतिक्रियाएं वहुत हलके रूप अथ्वा कुछ समय के लिए होती हैं। पहले दो दिनों में दवाई ग्रहण के बाद शिशु को बुखार* **(***ज्यादातर हलका* **),** *चिडचिडापन अथ्वा ज्यादा नींद आना आदि हो सकते हैं। कुछ और प्रतिक्रियाएं जो वहुत कम होती हैं बुखार* **40.5˚c,***बच्चे में कुरलाहट और मरोड जो पहले ना देखी गई हो लगभग तीन घंटे से ज्यादा तक हो सकती हैं। अगर बच्चे पहले भी बुखार के साथ ऐंठन अथ्वा मरोड लेते हों तो दवाई ग्रहण के पश्चात इस प्रकार के बुखार को दवा के कारणवश होने से इनकार नहीं किया जा सकता परन्तु हर विष्य के परीक्षण के बाद बच्चों का डाक्टर अपना निरणय दे सकता है।*

और दवाईयों समान इस दवाई से भी ऐलर्जी की संभवनाऍं वहुत कम हैं।

La malattia (रोग)

Haemophilus (Haemophilus *किसम* **b** *का संक्रमण* **)** *आम तौर पर गल अथ्वा नाक में होता है यहां यह कोई खास समस्या नहीं देता और हवा में से प्रवेश करता है। लगभग सभी बच्चे अनुमानित पांच वर्ष की आयु में इसके घेरे में आते हैं। कुछ बच्चों के अंग संस्थान में नुकसानदेह रोग दे सकता है।*

इसके इलावा इससे दिमागी बुखार इन सबसे ज्यादा प्रगतिशील होता है जिससे प्राणी मौत अथ्वा कुछ लाइलाज रोग जैसे दौरा पडना, *बोलापन*, *गूंगापन*, *भिन्न अंगों से अपाहिजता और मंदबुद्धि आदि का शिकार हो सकता है।*

इसके अतिरिक्त हालातों में **Haemophilus** *गले पर हमला करता है जिसके परिणामसवरूप इसके संक्रमण से सास में रूकावट से मौत*, *फेफडों अथ्वा समस्थ शरीर में लाग* **(infection)** *से मौत हो सकती है।*

यह रोग ज्यादातर पांच वर्ष की आयु तक होता है और इसका प्रकोप दो साल से कम आयु में और भी गहरा होता है।

सभी बच्चे **Haemophilus** *के संक्रमण से प्रभावित हो सकते हैं परन्तु कुछ एक से इसके आग्रण का खतरा अधिक बना रहता है जैसे* **:-**

- *विशाल परिवार में बच्चे*, *ज्यादा बहन भाई और सकूल जाने वाले बडे बच्चों में*
- *आंगनवाडी* **(***स्कूल* **)***जाने वाले बच्चो में।*
- *जिन्हें सवै सुरक्षा में कमी*, *पदैयशी रोग*, *कैंसर सुभाव में हमेशा तापतिल्ली*, *श्वेत कणों में कमी अथ्वा* **HIV** *का संक्रमण हो।*

सन् **1990** *के दूसरे मध्य में प्रयोग में लाई गई दवा से ईटली में* **haemophilus** *रोग में वहुत कमी पाई गई है।* **1996** *से* **2001** *तक* **114** *से* **29** *आंकडे रह गए हैं और हमारे क्षेत्र में* **12** *से* **5** *तक के।*

Il vaccino (*दवाई*)

इसकी दवाई ही इसको रोकने का एकमात्र साधन है। इसमें जिवाणुयों को नए रूप में परिवर्तित किया होता है जिनसे कोई हानि नहीं होती परन्तु सुरक्षा प्रधान करने में विश्वस्त होते हैं।

दो माह की आयु तक यह दवाई के ग्रहण को उचित माना गया है जब बच्चे रोगों के घेरे में आसानी से आ सकते हैं।

जब बच्चा ज्यादा अवस्था में असुरक्षित हो **(***उपर ध्यान दें* **),** *यह दवाई और भी आवश्यक हो जाती है।*

दवाई का संचार एक टीके की सहायता से करवाया जाता है **;** *सामानय स्थितियों में और दवाईयों के साथ* **Haemophilus** *के खिलाफ इस दवाई से सुरक्षा* **(99%)** *वहुत ज्यादा है। पहले वर्ष की आयु पश्चात इसके ग्रहण की और जरूरत नहीं है। यह दवाई पांच वर्ष की आयु तक के बच्चों को सलाही गई है और इसके उपरांत केवल उन प्राणीयों को जो ज्यादा असुरक्षित अवस्था* **(***उपर ध्यान दें* **)** *में हों।*

Gli effetti collaterali (*प्रतिक्रियाएं*)

*ठसकी दवाई से प्रतिक्रियाएं वहुत कम व हलके रूप में होती हैं। टीके वाले स्थान पर लालगी***,** *सूजन अथ्वा दर्द हो सकते हैं जो वहुत हलके रूप में उवरते हैं और वहुत कम समय के लिए होते हैं और ज्यादातर बडे बच्चों में उवरते हैं। छोटे बच्चों को भी बुखार* **(***सामानय स्थितियों* **38,5°c** *से कम* **),** *कुछ चिडचिडापन***,** *उनींदरा और कई दफा उलटी अथ्वा दस्त आदि हो सकते हैं।*

यह प्रतिक्रिया वहुत कम व कमजोर रूप में होती है जो **1-2** *दिनों में चली जाती है।*

और दवाईयों की तरह ऐलरजी की समस्या के वहुत कम आसार हैं।

(खसरा ,जर्मन मीजलज ,पेरोटाईटस(गलसुआ))

Morbillo, rosolia, parotite

Le malattie *रोग*

यह बचपन में होने वाले वह रोग हैं जिन्हें नुकसानदेह नहीं माना जाता। परन्तु सचाई यह है कि कुछ अवसर में यह वहुत गंभीर परिणाम दे सकते हैं।

2002 *और* **2003** *में खसरे से हुई महांमारी से एक हजार से ज्यादा लोग पीडित हुए,* *जिनमें से* **23** *मस्तिष्क के बुखार अथ्वा* **4** *की मौत का कारण बनी* **Emilia-Romagna** *में* **2002-2003** *के काल में हर वर्ष* **200** *के करीब रोगी राजिस्टर पाए गए।*

सन् **1990** *के अंत तक क्षेत्र* **Emilia-Romagna** *में इस दवाई का अच्छा प्रसार किया गया जिसके परिणाम सवरूप खसरे की महांमारी को कम करते हुए इसको खतम के करीब पहुंचा दिया गया है अथ्वा* **Rosolia** *और* **Parotite** *के रोग में अच्छी कमी पाई गई है।*

खसरा होने के लक्षण तेज बुखार, *जोरदार खांसी,* *नाक में खुजली,* *संयुक्त रूप में शरीर पर लाल निशान* **(***रक्त भरपूर निशान***)** *हैं।*

खसरा खासकर कानों, *फेफडों अथ्वा दिमाग में संक्रमण कर सूजन डालता है। दिमाग की सूजन* **(***लाग* **)** *से इसमें कुछ लाइलाज रोग हो सकते हैं जैसे चक्कर,* *वोलापन अथ्वा दीवानापन* **(***पागलपन***)***आदि। वहुत ही कम हालातों में मौत हो सकती है परूतु नामुनकिन नहीं है।*

वहुत कम अवस्र **(100,000** *में से* **1-2** *कारणों* **)***में यह* **PESS (Panencefalite Sclerosante Subacuta)** *में तबदील हो सकता है जिसमें कुछ वर्षों के बीतने पर लाईलाज दिमागी बिमारीयां हो सकती हैं। जिन देशों में इस दवाई का अच्छा प्रसार हो चुका है वहां* **PESS** *लगभग खतम हो चुकी है।*

जर्मन मीजलज ज्यादातर किसी खास समस्या प्रगटाए बिना होता है। कई दफा हलका बुखार, *रक्त ग्रन्थीयों में सूजन,* *ज्यादातर गले अथ्वा गर्दन की पिछली और सूजन ,शरीर पर लाल निशान आदि हो सकते हैं। जर्मन मीजलज का पता लगाने के लिए खून का परीक्षन जरूरी है क्योंकि उपर दिए गए लक्षण कोई और* **virus** *के भी हो सकते हैं।*

दवाई ग्रहण ना कर सकी गर्भवती औरतों के इलावा जर्मन मीजलज सामान्य स्थितियों में कोई खास समस्या नहीं देता। कुछ हालातों में इसके विशाणु गर्व में प्रवेश कर गर्वपात और शिशु में दिल संबंधी रोग, *आपेरोटाईटस का रोग* **parotid** **(***ज्यादातर कानों में पाया जाता है* **),** *थुक ग्रंथीयों में दर्द के साथ सूजन से होता है। एक अथ्वा दोनों तरफ से* **parotid glands** **(***कान के नीचे की ग्रंथीयां* **)***सूजन के साथ फुलावट में आ जाती हैं और इनके साथ लावग्रंथीयां भी। सिरदर्द,* *पेटदर्द और बुखार भी साथ में आते हैं।*

इससे कुछ समस्याएं जो वहुत कम अवसर में हो सकती हैं जैसे कि सिर की परतों में सूजन, *सुनने वाले अंग संस्थान में खराबी और मर्दों में लगभग* **30%** *कारणों में यह एक अथ्वा दोनो तरफ के अण्डकोश भागों में लाग* **(infection)** *कर सकता है। स्त्रियों में इससे वहुत कम अवसर में* **(** *लगभग* **5%)** *वीजकोश में लाग हो सकती हैं।*

Il vaccino (*दवाई*)

खसरा, *जर्मन मीजलज अथ्वा पेरोटाईटस तीनों की दवाई को एक ही सरिंज में रखा जाता है जिसमें तीनों* **virus** *जीवित परन्तु अधमुए* (**virus** *जो कोई हानि नहीं पहुंचाते वलकि रोगों से लडने की क्षमता रखते हैं*) *जमा होते हैं। खसरे की पहली खुराक के बाद* **95%** *अथ्वा दूसरी खुराक के बाद* **99%** *बचाव विश्वस्त*

Gli effetti collaterali

(*इससे संबंधित प्रतिकियाएं*)

समानय तौर पर यह दवाई अनुकूल है। टीके वाले स्थान पर लालगी व सूजन कुछ हलके अथ्वा कुछ समय के लिए हो सकते हैं बुखार में मरोड के वहुत कम अवसर हैं परन्तु असल रोग में अकसर होते हैं और खासकर खसरा में उत्पन होने से।

कुछ सीमित हालातों में **1-3** *हफतों में बच्चों में जोडों व मासपेशियों में दर्द उभर सकते हैं और ज्यादातर यह स्त्रियों में होते हैं।*

दवाई ग्रहण के उपरांत इन तीन रोगों से होने वाले लक्षण भी कई दफा सामने आ सकते हैं।

और मुडली दवाईयों की तरह इससे भी ऐलर्जी के अनुमान वहुत सीमित हैं।

आंखों पर बुरा प्रभाव, *कानों अथ्वा दिमाग पर वहुत बुरा असर हो सकता है।*

निमोनिया

Pneumococco

La malattia (रोग)

लगभग **90** से अधिक प्रकार के निमोनियां के कौषाणु **(streptococcus pneumoniae)** पाए गए हैं परन्तु इनमें से कई ऐसे है जो मास्तिक**,** फेफडों अथ्वा पूरे शरीर के लिए हानिकारक है।

इसके जिवाणु गल अथ्वा नाक में मौजूद होते हैं जो कानों**,** नाक अथ्वा फेफडों में लाग **(infection)** कर सकते हैं। पांच साल से कम उमर के बच्चे अथ्वा इससे भी ज्यादा दो साल से कम उमर के बच्चे और वजुर्गो में इस रोग के उत्पन होने की ज्यादा संभावनायाएं होती हैं।

ईटली में निमोनिया से प्रभावित होने वाले कम में आयु बच्चों की गिणती **40** से **50** तक की है और क्षेत्र **Emilia- Romagna** में **2-8** तक की है।

ईटली और यूरोप में यह बडा प्रतीत नहीं होता परन्तु अमेरिका में इसके आंकडे काफी मात्रा में हैं।

वहुत छोटे बच्चों में निमोनिया का संकमण वहुत मौकों पर जानलेवा सिद्ध हो सकता हैं। हमारे क्षेत्र में हर साल लगभग एक बच्चे की इससे मौत होती है।

इसका हर वर्ग की आयु में खतरनाक रूप शरीर में सवैरक्षक जिवाणुयों को कम करने वाले रोगों की मौजूदगी से होता है**,** जैसे पैदायश से रक्त में कमी**, milt** का ठीक से संचार ना होना**,** फेफडियों में पुरानी बिमारियों की मौजूदगी**,** दिल अथ्वा जिगर में मौजूद रोग**,** शक रोग और कानों में सुनने वाला यंत्र प्रयोग करने वाले प्राणियों **(**जिनको ठीक से सुनाई ना देता हो **)**आदि में।

इन सब के इलावा आंगनवाडी व प्राईमरी स्कूल में दाखिले के बाद भी रोगों के संकमण **(infection)** का खतरा होता है परन्तु एह वहुत छोटे दायरे तक होता है।

Il vaccino

निमोनिया रोग के लिए दो तरह की दवाईयां हैं और दोनों ही टीके की सहायता से दी जाती हैं।

- *इन सालों में प्रयोगहित दवाई सात प्रकार के निमोनिया के लिए है जो नवजन्मे बच्चे के लिए पहले महीनों में अच्छी रक्षक हैं। इस रोग के संकमण को रोकने के लिए इसकी क्षमता बहुत ज्यादा है* **(***लगभग* **100%) otitis (***कानों में रेशा* **)** *में इसका कोई ज्यादा असर नहीं है इससे बचाव इसी सतह पर लम्बे अरसे तक रहता है।*
- *दूसरी दवाई जो* **23** *प्रकार के निमोनियां के खिलाफ सक्षम है जो कई सालों से प्रयोगयुक्त है। यह बच्चों अथ्वा वडों के बवाव के लिए उचित है परन्तु पहले दो साल के जीवनकाल में सक्षम नहीं है क्योंकि अंदरूनी तौर पर रोगों से लडने के लिए क्षमता प्रदान नहीं करती। यह दवाई को* **3-5** *साल बाद दुवारा ग्रहण करने की आवश्यकता है और सुनने में दिक्कत रखने वाले प्राणियों* **(Hearing aids users)** *को दोनों दवाईयां ग्रहण करने की आवश्यकता है।*

5 *वर्ष के बाद सिर्फ* **23** *प्रकार के निमोनियां खिलाफ प्रयोगहित दवाई ही दी जाती है।*

Gli effetti collaterali

(*इनसे संबंधित प्रतिकियाएं* **)**

*यह दोनों दवाइयां अनुकूल हैं कई दफा टीके वाले स्थान पर लालगी***,** *सूजन अथ्वा दर्द हो सकते हैं***,** *बच्चे में चिडचिडापन हो सकता है और आम से ज्यादा नींद में सुसताना आदि लक्षण हो सकते हैं। वहुत ही कम अवसर में मरोड* **(***ज्यादातर बुखार के साथ* **)***हो सकते हैं।*

क्षेत्र **EmiliaRomagna** *में निमोनिया के खिलाफ दवाई का ग्रहण आवश्यक है और उपर दरसाए मुताबिक ज्यादा खतरे में पाए जाने वाले बच्चों के लिए मुफत है और इसके इलावा आंगनवाडी* **(***प्राईमरी स्कूल***)** *जा रहे बच्चों के लिए***, 2006** *से जनमें शिशुयों के लिए अथ्वा कानों में सुनने वाला यंत्र प्रयोग करने वाले प्राणियों के लिए मुफत है।*

क्षेत्र **Emilia-Romagna** *में* **Meningitis C** *की दवाई का ग्रहण आवश्यक है और जिन बच्चों में रोगों से लडने की अंदरूनी शक्ति में कमी अथ्वा* **milt** *का दुरसंचार हो और* **12-15** *माह में पाए जाने वाले बच्चों को यह दवाई का ग्रहण बिना शुल्क है।* **Meningitis** *के लिए* **15-16** *माह में पाए जाने वाले बच्चों को भी यह दवाई के ग्रहण को सलाहा गया है और इसका ग्रहण इस दएरे से वाहर रह गए बच्चों को भी आवश्यक मुडली दवाईयों के आधार पर भुगतान से भी करवाया जा सकता है।*

La malattia (रोग)

Meningococcus वो जिवाणु है (विज्ञानिक तौर पर **Neisseria meningitidis**) जो दिमागी बुखार, पूरे अंग संचार में लाग (रक्त विषाक्ति),निमोनिया,**Haemophilia** अथ्वा कई और प्रकार के रोगों के विषाणु गठित कर सकते हैं।

यह वहुत प्राणियों में बिना कोई समस्या प्रगट किए गले अथ्वा नाक में मौजूद होते हैं। परन्तु कुछ मौकों पर रोग की अज्ञानता में यह पेपडी (दिमाग के उपर वाली पतली स्तह) अथ्वा पूरे अंग संचार में प्रवेश कर जाते हैं । इसके प्रकोप में सबसे ज्यादा पांच साल से छोटे बच्चे,उसके बाद नावालिग बच्चे, किशोर अथ्वा वालिग प्राणी आते हैं। पूरे ईटली की तरह क्षेत्र **Emilia-Romagna** में भी इसका खतरनाक संक्रमण वहुत कम है। इसका इलाज इसके संक्रमण से वहुत प्रभावशाली है। **meningitis** कई दफा वहुत गंभीर भी हो सकता है और मौत तक पहुंचा सकता है (**10-15%** मौकों में)।

Meningococcus 13 प्रकार के हो सकते हैं संसार में इसकी **A,B** और **C** ज्यादा पाई जाने वाली जाति हैं। ईटली और यूरोप में यह **B** और **C** अथ्वा अमेरिका में **C** प्रकार में ज्यादा पाया जाता है।

यूरोप में अभी यह **B** प्रकार में ज्यादा पाया गया है परन्तु कुछ क्षेत्रों में इसकी **C** प्रकार की महांमारी को भी पाया गया है।

इसलिए वहुत सारे देशों ने **Meningitis C** के खिलाफ एक और दवाई को दवाई ग्रह कैलेंडर में निलंबित किया है।

ईटली और हमारे क्षेत्र में इस रोग से कोई महांमारी नहीं पाई गई परन्तु कुछ पिछले सालों से इसके **C** प्रकार के संक्रमण में वडावा हुआ है चाहे कुछ सीमित कारण ही क्यों न पाए गए हो। **5** वर्ष से कम आयु वाले बच्चों के **50-100** केस ईटली में और **1-8** केस क्षेत्र **Emilia-Romagna** में हर वर्ष पाए जाते हैं जिनमें से आधे से ज्यादा **C** प्रकार के होते हैं।

जिन प्राणियों में फलू होने पर अंदरूनी शक्ति में कमजोरी आ जाती है, इसके प्रकोप में आने के ज्यादा खतरे में होते हैं।

Il vaccino (दवाई)

Meningitis *के बचाव के लिए दो दवाईयां उपलब्द्ध हैं और दोनों ही टीके की सहायता से दी जाती हैं।*

- **Meningitis C** *के बचाव के लिए दवा* **2** *माह के अंदर दी जाती है और यह बचाव के लिए वहुत ज्यादा विश्वस्त है* **(***लगभग* **90%** *शिशुयों अथ्वा नावालिगों के लिए* **)** *और यह लम्बे अरसे तक क्षमता रखती है।*
- *दवाई* **Tetravalent Polisa ccaridico** *जो* **A,C,Y,W-135** *प्रकार के लिए प्रयोग की जाती है सिर्फ दो साल हे बाद दी जाती है और इसका असर* **3-4** *साल के बाद कम होने लगता है। और बाद में इसका ग्रहण किसी देश की यात्रा के मध्यनजर करवाया जाता है जहां* **C** *प्रकार के इलावा किसी और* **Meningiococcus** *की शंका होती है।*

Meningitis B *के उपचार के लिए अभी कोई दवाई विकसित नहीं हो सकी।*

Gli effetti collaterali(इससे संबधित प्रतिकियाएं)

यह दवाई काफी अनुकूल है। कई दफा टीके वाले स्थान पर लालगी, *सूजन और दर्द उभर सकते हैं अथ्वा बुखार व कोई छोटी मोटी समस्याएं भी हलके रूप में हो सकती हैं। और मुडली दवाईयों की तरह एलरजी की संभावनाएं काफी कम हैं।*

क्षेत्र **Emilia-Romagna** *में* **Meningitis C** *की दवाई का ग्रहण आवश्यक है और जिन बच्चों में रोगों से लडने की अंदरूनी शक्ति में कमी अथ्वा* **milt** *का दुरसंचार हो और* **12-15** *माह में पाए जाने वाले बच्चों को यह दवाई का ग्रहण बिना शुल्क है।* **Meningitis** *के लिए* **15-16** *माह में पाए जाने वाले बच्चों को भी यह दवाई के ग्रहण को सलाहा गया है और इसका ग्रहण इस दएरे से वाहर रह गए बच्चों को भी आवश्यक मुडली दवाईयों के आधार पर भुगतान से भी करवाया जा सकता है।*

La malattia (रोग)

फलू एक मौसमी रोग है जिसका फैलाव सर्दियों में होता है और यह संघीन छूत का रोग है जो दो तरह के विषाणुयों **(A** *अथ्वा* **B)** *से होता है जो हर वर्ष बदलते रहते हैं। इसलिए पहले वर्ष में की गई सुरक्षा नए विषाणुयों के संकमण* **(infection)** *के लिए कमजोर पड जाती है। इन्हीं कारणवश इसका और छूत के रोगों जैसे खसरा अथ्वा रोहिणी रोग से अंतर है, कि यह हर वर्ष प्राणी को अपनी ग्रिफत में ले सकता हे। कभी कुछ अवस्र में इसके* **virus** *जब पुराने समय से संकय* **virus** *से अलग पाए जाते हैं तो पूरे संसार में इसकी महामारी का खतरनाक प्रकोप होता है।*

फलू का फैलाव एक से दूसरे तक ज्यादातर सांस लेने अथ्वा बोलने से छोटे रूप में लाव गिरने पर अथ्वा नाक और गल के साथ छुहे गए हाथों से और छुहन की गई वस्तुयों से होता है और खासकर बच्चे इसकी ग्रिफत में जल्दी आते हैं।

बंद अथ्वा कम वायु प्रवेश होने वाली जगह जैसे कि बस, दुकानें, सिनेमा हाल, पाठशाला आदि में इसका फैलाव आसानी से होता है।

फलू की शरूवात ज्यादातर बुखार और कंपन, सिरदर्द, मासपेशियों में दर्द, वहुत ज्यादा शरीरक कमजोरी, गल का दर्द, जुकाम और खांसी और कई दफा उलटी व दसत आदि से होती है। बुखार **2-3** *दिन तक रहता है और वहुत कम अवसर में कुछ लम्बा जा सकता है। ज्यादातर जुकाम, गलदर्द और खांसी कुछ लम्बे समय तक जा सकते हैं और खांसी दो सपताह तक रह सकती है। कई अवसर में यह रोग बुखार और वहुत कम इतिरिक्त लक्षणों के साथ होता है और ज्यादातर थकावट अथ्वा बिमारी की अवस्था में कुछ अरसे तक रह सकता है।*

फलू का इलाज सम्पूर्णरूप में हो जाता है। इसका गंभीर रूप इसके विषाणुयों की होंद पर निर्भर करता है और पिछले वर्षों से इसकी अलग किसम पर। बच्चों जिन्होंने उर्म के ताकाजे से अभी इसके कुछ विषाणुयों से स्पर्श हुए होते हैं, ज्यादातर बडों से इसकी ग्रिफत में आते हैं।

यह रोग बच्चों और वालगों में गंभीर सिहत की प्रस्थितियां में (जैसे सांस संबंधी पुरानी बिमारियों में, दिल के रोग, नसों के रोग, शकरोग, अंदरूनी शक्ति में कमी आदि) और वजुर्गों के लिए खतरनाक हो सकता है।

Il vaccino (*दवाई*)

जैसे कि इसके विषाणु बदलने की क्षमता रखते हैं इसलिए इर वर्ष एक नई दवाई का निर्माण होता है जिसे एक टीके की सहायता से दिया जाता है। इसकी खुराकों की गिणती भी बदलती है :

- **9** *वर्ष से ज्यादा अथ्वा इससे कम आयु में इसकी एक खुराक काफी है अगर बच्चा पिछले वर्ष उसकी खुराक ग्रहण कर चुका हो।*
- **4** *सपताह के अंत्राल में दो खुराकें जब बच्चे की आयु* **9** *वर्ष से कम हो और पहली दफा इसका ग्रहण कर रहा हो। लगभग दिन के बाद यह असरदायक होती है।*

यह दवाई बचाव के लिए विश्वस्त है और रोग के आगमन को रोकने के लिए एकमात्र अच्छा साधन है। बच्चों में इससे सुरक्षा समय बीतने से बडती है। सिहतमंद लोगों पर किए गए अध्यन के आधार पर इस दवाई से लगभग **50%** *पॉच वर्ष से कम बच्चे,* **70-80%** *किशोर (नावालिग) बच्चे और* **90%** *बालिग लोग सुरक्षित हैं।*

दवाई का ग्रहण हर वर्ष सलाहा गया है।

Gli effetti collaterali

(*इससे होने वाली प्रतिकियाएं* **)**

यह दवाई लगभग अनुकूल है और खासकर बच्चों के लिए कोई खास समस्याएं प्रगट नहीं करती। दवाई ग्रहण के **48** *घंटे के अंत्राल में टीके वाले स्थान पर लालगी सूजन और दर्द आदि हो सकते हैं।* **6-12** *घंटे बाद बुखार, थकावट, मासपेशियों का दर्द, सिरदर्द होने के कम अवसर में हो सकते हैं। और जो प्राणी पहली दफा इसका ग्रहण कर रहे हैं, उनमें इन तथ्यों की संभावनाएं ज्यादा हैं जो एक से दो दिन तक रह सकती हैं।*

और दवाईयों की तरह एलर्जी के कम अवसर हैं।

बच्चे जो जलदी से बिमारियों की गिफ्त में आ सकते हैं (कमजोर सिहत के) उनके लिए इस दवाई का ग्रहण मुफत है और अति आवश्यक माना गया है।

वाकी सभी बच्चों को इसका ग्रहण भुगतान से हो सकता है।

छोटी माता
Varicella

Varicella (*छोटी माता*)

छोटी माता एक वहुत ही संक्रमक छूत का रोग है जो **Varicella-Zoster** *नामक विषाणुयों से होता है। इससे शरीर पर धब्बे पडने लगते हैं जो जल्दी से छालों में तबदील हो जाते हैं जो बाद में सख्त होकर खरींड बन जाते हैं। ज्यादातर वालगों में बुखार अथ्वा मंद स्वास्थय की अवस्था हो सकती है। इससे उभरने के पश्चात भी इसका* **virus** *शरीर में रहता है और अगर प्राणी की अन्दरूनी क्षमता कम पड जाए* **(***बजुर्ग और सवैरक्षा में कमजोर प्राणी* **)** *तो* **Herpes Zoster** *नामक रोग जिसे जिनेउ कहते हैं उभरता है,* *जिससे माता की तरह शरीर पर छालों के बाद छिलके उतपन होते हैं परन्तु यह केवल एक नस के मध्य चलते हैं* **(***ज्यादातर सिर अथ्वा सीने पर***)** *।*

इसके विषाणुयों का संचार सांस लेने अथ्वा बोलने से निकलने वाली वायु व इसके छालों के द्रव अथ्वा सीधे सपर्श से हो सकता है और इसके इतिरिक्त छालों के खतम होने से दो दिन पहले जब तक यह छिलकों में तबदील न हो जाएं वायु में से भी इसका संचार हो सकता है।

ईटली में लगभग **500,000** *के करीब हर वर्ष छोटी माता के रोगी पाए जाते हैं और हमारे क्षेत्र में* **30,000** *के करीब। इसका प्रकोप ज्यादातर* **10** *वर्ष से कम आयु के बच्चों में होता है जिन्हें साधारण तौर पर कोई गंभीर हानि नहीं पहुंचाता। मानसिक विकार जैसे कुछ रोगों में सामानय तौर पर यह दिमाग में संक्रमण* **(infection)** *करता है जिससे मानसिक संतुलन बिगडता है और साधारण अवस्था में कोई गंभीर समस्या नहीं देता।*

अगर नवजन्में शिशुयों में पाया जाए तो **(***अगर रोग गर्वपात से* **5** *दिन पहले अथ्वा* **2** *दिन पश्चात जन्मी में पाया जाए तो* **)** **Varicella** *खतरनाक भी हो सकता है और अंदरूणी शक्ति से बुरी तरह बिकार प्राणियो के लिए भी खतरनाक है। इसके इलावा नाबालिगों अथ्वा वालिगो को भी समस्याऍ दे सकता है।* **Herpes Zoster (***माता***)** *के बाद सालों अथ्वा कई सालों बाद भी हो सकता है और बच्चों को छोडकर इसके* **Varicella** *से भी गंभीर लक्षण होते हैं।*

Il vaccino(*दवाई* **)**

Varicella *की दवाई में विषाणुयों को अधमरी हालत में रखा जाता है जो रोग गठित नहीं कर सकते परन्तु सुरक्षा बनाने में सक्षम होते हैं। इनहें टीके की सहायता से दिया जाता है।*

- **12** *वर्ष की आयु तक इसकी एक खुराक और* **12** *वर्ष के बाद दो खुराकें सलाही गई हैं। दवाई ग्रहण के बाद* **4** *में से* **3** *बच्चे सुरक्षित पाए गए हैं और जो इसकी ग्रिफत में आते है उसे यह हलके रूप में होता है। ईटली में इस दवाई का प्रसार सभी जन के लिए एक सामान नहीं है और इसलिए क्षेत्र* **Emilia-Romagna** *में केवल इसके खतरे में पाए जाने वाले प्राणीयों को दवा संभव है। सभी बच्चों कों दवा ग्रहण करवाने से* **virus** *के फैलाव में कमी तो आ सकती है परन्तु इस तरह वालिगों में इसका खतरा वड सकता है।*

इसकी पहली खुराक के बाद समय के साथ इसका प्रभाव कमजोर होने लगता है परन्तु अब तक इसके द्वारा ग्रहण करवाने की जरूरत प्रस्थापित नहीं की गई है। दवाई ग्रहण के तीन या चार दिन पश्चात यह माता से प्रभाावित प्राणी के स्पर्श से होने वाले रोग से बचाने अथ्वा इसे कमजोर रूप देने में सक्षम हैं।

बडे बच्चों के लिए इस दवाई का ग्रहण उनकी स्वैइच्छा मुताबिक संभव है और यह जीवन रक्षक दवाईयों के दाम में निजी भुगतान के साथ ग्रहण किया जा सकती है। क्षेत्र **Emilia - Romagna** *में इसका ग्रहण केवल गंभीर रोगीयों और इनके साथ चौर्गिदे में रह रहे प्राणियो के लिए आवश्यक है* **,** *जैसे कि*

- *जो रोगी वभिन्न अंग के बदलाव के इन्तजार में हों* **;**
- *प्राणी जिन्हें स्वैत रक्त का बिकार हो* **;**
- **HIV** *से प्रभावित बच्चे* **;**
- *जिन प्राणीयों में मल-मूत्र* **(Renal)***संबंधी पुरानी बिमारियां हों* **;**
- *वह प्राणी जिन्हें कभी माता का रोग ना हुआ हो परन्तु स्वैरक्षा से बिकार प्राणीयों* **(immuno-compromised)** *के साथ रह रहे हों* **;**
- *जवान हो रही स्त्रीयां जिन्हें अभी* **varicella (***छोटी माता* **)***ना हुआ हा* **;**
- *जो प्राणी नए जन्मे बच्चों अथ्वा स्वैरक्षाहीन प्राणीयों के विभाग में काम कर रहे हों* **;**

उपरोकित सभी को **varicella** *की दवा मुफत है।*

Gli effetti collaterali (*प्रतिकियाएं* **)**

Varicella *की दवाई काफी अनुकूल है और कोई गंभीर समस्या नहीं पहुंचाती। वहुत कम अवसर में बुखार अथ्वा और भी कम क्रिया में कुछ समय पश्चात* **(***महीनों अथ्वा सालों बाद* **) varicella** *अथ्वा* **Herpes Zoster** *के छाले हलके रूप में पड सकते हैं और मुडली दवाईयों की तरह एलर्जी के बहुत कम अवसर हैं।*

La malattia (रोग)

Human Papilloma virus (HPV) वहुत ज्यादा प्रसारित **virus** है। यह **120** प्रकार में हो सकते हैं जिन्में से **40** जन्न स्थान (ग्रहश्यद्वार अथ्वा योनि)के लिए हानिकारक पाए जाते हैं।

ज्यादातर इनका संक्रमण बहुत कम समय में एकदम से (जिसका स्त्री को ज्ञान भी नहीं होता)हो सकता है। **90%** अवसर में यह कौषाणु शीघ्र पैदा होते हैं।

कुछ प्रकार के **HPV** जिन्में **16** और **18** प्रमुख हैं,जो कम समय में भी पाए जाए तो यह गर्भश्य द्वार में कैंसर का कारण बन सकते हैं अगर समय पर इनका उपचार ना किया जाए तो।

इसका आपको ज्ञात अवश्य हो जाना चाहिए कि **70%** अवसर में जन्न स्थान में कैंसर का बनना **16** और **18** की होंद का कारण होता है। ग्रर्भश्य द्वार में कैंसर को स्थापित होते बहुत साल भी गुजर सकते हैं (**20** साल भी)|

16 और **18 HPV** की होंद के इलावा भी कुछ और भी तथ्य हैं जो कैंसर का कारण हो सकते हैं। उनमें से हैं सिग्रेट का धुआं, लम्बे समय तक **contraceptives** का उपयोग, **HIV** का संक्रमण,ज्यादा लागों से लिंग संबंध और ज्यादा बच्चे।

गर्भश्य द्वार में पाया जाने वाला यह पहला कैंसर है जिसे संसारिक सिहत संसथा **(WHO) viral infection** से प्रभावित होने का दावा करती है।

मुख्य रूप में यह कौषाणु लिंग संबंध से बनते हैं और जरूरी नहीं कि यह संपूर्ण संबंध हों। जवान स्त्रियां (**25** साल से इर्द गिर्द आयु में)˙ इसका ज्यादा शिकार बनती हैं।

Il vaccino (दवाई)

अभी तक बाजार में उपलब्द दोनों प्रकार की दवाईयों में दो तरह के **serum(HPV 16** और **18)**मौजूद हैं। यह दवाई अनुकूल है। **clinical trials** परीक्षण दरसाते हैं कि अगर यह दवाई औरतों को लिंग संबंध बनाने से पहले दी जाए तो यह कैंसर की रोकथाम के लिए ज्यादा उचित है **(90-100%)**।
संबंध बनाने से पहले की आयु **)**में उचित है यहां इसका असर चर्म सीमा तक संभव है।

यह औषधी **12** वर्ष की आयु में **(11** साल पूरे होने पर **) Servizio Sanitario dell'Emilia-Romagna** की तरफ से सभी युवतियों के लिए मुफत है। आपके **Azienda USL**संस्था की तरफ से सभी युवतियों को निवास स्थान पर भेजे गए पत्र के साथ औषधी ग्रहण के लिए निमंत्रण है।

6 माह के अंतराल में इसका ग्रहण वायु में टीके की सहायता से तीन बार करवाया जाएगा।

क्योंकि **30%** गर्भश्य द्वार कैंसर **16** और **18** के कारण नहीं होता इसलिए नियमित रूप से **PAP TEST** करवाने की आवश्यकता हमेशा बनी रहती है**,**अगर स्त्री दवाई ग्रहण कर भी लेती है तौ भी। **PAP TEST** आसान परीक्षण है जिसमें जन्न स्थान में चल रही प्रतिकियायों का पहले से पता चल जाता है और शीघ्र ईलाज की विवस्था की जा सकती है।

Gli effetti collaterali (प्रतिकियाएं)

पॉच वर्ष के परीक्षण से यह दवाई काफी विश्वस्त पाई गई है।
और मुडली दवाईयों की तरह इसकी भी कुछ प्रतिकियाएं हो सकती हैं जिन्हें आपको दवाई ग्रहण करवाने वाले कर्मचारियों अथ्वा पारिवारिक डाकटर को सूचित करना आवश्यक है।
दोनों दवाईयां **Mercury** अथ्वा **Thiomersal** से मुक्त हैं।
लालगी**,** दर्द**,** सूजन और टीके वाले स्थान पर खारिश **HPV** की दवाईयों से संबंधित आम समस्याएं हैं। बुखार**,** सिरदर्द**,** मासपेशियों और जोडों में दर्द**,** भोजननाली से संबंधित लक्षण**,** चमडी में उभार और चर्मरोग मामूली लक्षण हैं जो थोडे समय के लिए रहते हैं।
एलर्जी जैसी प्रतिकियाएं इस दवाई के तथ्यों से वहुत कम हैं।

दवाई ग्रहण करवाने के लिए कैलेंडर

(In vigore in Emilia-Romagna dall'1.1.2006) (Emilia-Romagna 1.1.2006 *से लागू हुई*)

VACCINO (*दवाई*)	ETÀ (*उमर*) (mesi ed anni compiuti) (*महीने अथवा साल पुरे होने पर*)						
	2 *माह*	4 *माह*	10-12 *माह*	12-15 *माह*	5-6 *साल*	11-12 *साल*	15-16 *साल*
POLIO (*पोलियो*)	✓	✓	✓		✓		
DIFTERITE/TETANO (*गलघोटू / चानणी रोग*)	✓	✓	✓		✓		✓
EPATITE B (*काला पीलीया*)	✓	✓	✓				
PERTOSSE (*काली खांसी*)	✓	✓	✓		✓		
EMOFILO (*जख्म में से रकत ना सूखने की स्थिति*)	✓	✓	✓				
PNEUMOCOCCO (*निमोनिया*)	✓	✓	✓				
MENINGOCOCCO c (*दिमागी बुखार*)				✓			✓(**)
MORBILLO, PAROTITE, ROSOLIA (*खसरा, गलसुआ, जरमनमीजलज*)				✓	✓		
PAPILLOMA VIRUS HPV (*गर्भशयद्धार के कैंसर का विशाणु*)						✓(***)	
VARICELLA (*छोटी माता*)							✓(§)

(*)2011 *से* **14** *वर्ष की आयु में।*
(**)12-15 *की आयु के मध्य दवा ग्रहण किए व्यक्तियों के लिए।*
(***)*केवल स्त्रीयों के लिए। इस दवा का ग्रहण तीन खुराकों में करवाया जाएगा।*
(§)*केवल छूत की बिमारियों के धेरे में आने वाले व्यक्तियों के लिए।*

1 *जनवरी* 2006 *से नए जन्में सभी बच्चों के लिए नीचे दी गई दवाईयां मुफत है* **:**
– *निमोनिया की रोकथाम के लिए दवाई।*
– *दिमाग में बुखार की रोकथाम के लिए दवाई।*

Coordinamento editoriale: Marta Fin (Assessorato politiche per la salute - Regione Emilia-Romagna).
Testi a cura di: Luisella Grandori, Pietro Ragni (Assessorato politiche per la salute – Regione Emilia-Romagna) con il contributo di Massimo Farneti, Rosanna Giordani, Giovanna Giovannini, Mara Manghi, Sandra Sandri (pediatri di comunità), Maria Catellani, Roberto Cionini (pediatri di libera scelta) e con la consulenza di Maurizio Bonati (Istituto Mario Negri - Milano).
Hanno collaborato: Renzo Cocchi, Lucia Droghini (Assessorato politiche per la salute – Regione Emilia-Romagna).

Grafica: Editrice Compositori

Traduzioni a cura di: Cooperativa Sesamo e Coordinamento Aziendale Problematiche dell'Immigrazione

SERVIZIO SANITARIO REGIONALE
EMILIA-ROMAGNA

RegioneEmilia-Romagna